प्रेषक,

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/ महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 **लखनऊ दिनांक 22 अक्टूबर, 2019**

विषय: केन्द्रीय कारागार, नैनी, प्रयागराज में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी अरविन्द मौर्य पुत्र श्री रामसेवक, निवासी जनपद-फतेहपुर की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-24539/प्रोबेशन-3/फार्म-ए(एम-02-07-2019) दिनांक-08-08-2019 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र दिनांक 08-08-2019 द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार केन्द्रीय कारागार, नैनी, प्रयागराज में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी अरविन्द मौर्य पुत्र श्री रामसेवक, ग्राम-मधुपुरी, थाना-कोतवाली, जनपद-फतेहपुर का रहने वाला है। बंदी ने घटना से 06 वर्ष पूर्व हुई दादा की हत्या की रंजिश में दिनांक 05.03.2000 को समय लगभग 3:00 बजे 02 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर शादी का सामान खरीद कर घर वापस आ रहे जगरूप नामक व्यक्ति की तमन्चे से फायर कर हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-211ए, 212/2000 भा0द0सं0 की धारा-302/34 व 25 आर्म्स एक्ट के अन्तर्गत मा0 अपर सत्र न्यायाधीश, कक्ष सं0-09, फतेहपुर के आदेश दिनांक 04.10.2007 द्वारा आजीवन कारावास की सजा से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 01.05.2019 तक 16 वर्ष 02 माह 06 दिन की अपरिहार सजा तथा 20 वर्ष 00 माह 15 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट ने मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में बन्दी द्वारा पुन: अपराध करने में अशक्त न होने के आधार पर समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की है। प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि बंदी ने घटना से 06 वर्ष पूर्व हुई दादा की हत्या की रंजिश में दिनांक 05.03.2000 को समय लगभग 3:00 बजे 02 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर शादी का सामान खरीद कर घर वापस आ रहे जगरूप नामक व्यक्ति की तमन्चे से फायर कर हत्या करने का जघन्य अपराध कारित किया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। दोनों पक्षों के मध्य विवाद समाप्त न होने, बंदी का अपराध समाज को व्यापक रूप से प्रभावित करने, बंदी के भविष्य में अपराध करने का अवसर होने, पुन: अपराध करने में अशक्त न होने का अंकन जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में की गयी है। इस प्रकार बंदी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता, जघन्यता, विवाद समाप्त न होने, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आन

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

प्रोवेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी अरविन्द मौर्य पुत्र श्री रामसेवक को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि बन्दी अरविन्द मौर्य (बन्दी संख्या-1296/2007) पुत्र श्री रामसेवक, निवासी जनपद-फतेहपुर का फार्म-ए पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति सम्यक् विचारोपरान्त श्री राज्यपाल द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तद्नुसार उसके फार्म-ए पर शासन के आदेश अंकित करके एतदद्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर
संयुक्त सचिव।

संख्या-128/2019/2293(1)/22-2-2019 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, जनपद फतेहपुर।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, नैनी, प्रयागराज।
3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार विभाग को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
4- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

डा0 गिरीश चन्द्र खरे
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश सख्या-128/2019/2293/22-2-2019-17(14)/2008

दिनांक 22 अक्टूबर, 2019 का संलग्नक

<u>सरकार के आदेश</u>

केन्द्रीय कारागार, नैनी, प्रयागराज में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी अरविन्द मौर्य (बन्दी संख्या-1296/2007) पुत्र श्री रामसेवक, ग्राम-मधुपुरी, थाना-कोतवाली, जनपद-फतेहपुर का रहने वाला है। बंदी ने घटना से 06 वर्ष पूर्व हुई दादा की हत्या की रंजिश में दिनांक 05.03.2000 को समय लगभग 3:00 बजे 02 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर शादी का सामान खरीद कर घर वापस आ रहे जगरूप नामक व्यक्ति की तमन्चे से फायर कर हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-211ए, 212/2000 भा0द0सं0 की धारा-302/34 व 25 आर्म्स एक्ट के अन्तर्गत मा0 अपर सत्र न्यायाधीश, कक्ष सं0-09, फतेहपुर के आदेश दिनांक 04.10.2007 द्वारा आजीवन कारावास की सजा से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 01.05.2019 तक 16 वर्ष 02 माह 06 दिन की अपरिहार सजा तथा 20 वर्ष 00 माह 15 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट ने मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में बन्दी द्वारा पुन: अपराध करने में अशक्त न होने के आधार पर समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की है। प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि बंदी ने घटना से 06 वर्ष पूर्व हुई दादा की हत्या की रंजिश में दिनांक 05.03.2000 को समय लगभग 3:00 बजे 02 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर शादी का सामान खरीद कर घर वापस आ रहे जगरूप नामक व्यक्ति की तमन्चे से फायर कर हत्या करने का जघन्य अपराध कारित किया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। दोनों पक्षों के मध्य विवाद समाप्त न होने, बंदी का अपराध समाज को व्यापक रूप से प्रभावित करने, बंदी के भविष्य में अपराध करने का अवसर होने, पुन: अपराध करने में अशक्त न होने का अंकन जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में की गयी है। इस प्रकार बंदी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता, जघन्यता, विवाद समाप्त न होने, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोवेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी अरविन्द मौर्य पुत्र श्री रामसेवक को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त श्री राज्यपाल द्वारा बन्दी की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार कर दी गयी है।

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in